जाने का पता चला है—ड्रैगलाइन्स, बेल्ट कन्वेयरों, कोयला कटिंग मशीनों, साइड डिस्चार्ज लोडर्स, आदि उपकरणों के संबंध में है। इन उपकरणों के आदेश पिछले 3 से 4 वर्षों के दौरान प्रस्तुत किए गए हैं।

(ग) कोयला कंपनियां उपकरण की तीव्र सुपुर्दगी के लिए निर्माताओं के साथ नियमित रूप से कार्रवाई कर रही हैं। इसके अलावा, मंत्रालय द्वारा निर्माताओं को उपकरणों की समय पर आपूर्ति किए जाने का सुनिश्चय करने के लिए कहा गया है।

कोयले के उत्पादन, प्रेषण और भंडारण में कमियां

3569. **चौधरी हरमोहन सिंह :** क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने कोयले के उत्पादन, प्रेषण और भंडारण रिपोर्टिंग प्रणाली की वर्तमान कमियों को दूर करने की जांच कार्य एक विशेषज्ञ दल को सौंपा है ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;

(ग) उक्त जांच कार्य कब सौंपा गया था और इस संबंध में प्रतिवेदन कब प्रस्तुत किया गया था ;

(घ) प्रतिवेदन में मुख्य-मुख्य बातें क्या हैं; और

(ङ) उस प्रतिवेदन के आधार पर सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) जी, हां।

(ख) और (ग) कोल इंडिया लि० (को० इ० लि०) के निदेशक बोर्ड ने अपनी दिनांक 22-12-1990 को सम्पन्न 113वीं बैठक में ऊपरी मलबा हटाने (ओ० बी० आर०) तथा कोयले के स्टाकों का निश्चित रूप से मापन किए जाने की विद्यमान पद्धतियों तथा प्रक्रियाओं की समीक्षा किए जाने के लिए एक उप-समिति की नियुक्ति की थी। इस उप समिति ने विस्तृत अध्ययन किए जाने के बाद अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। कोल इंडिया लि० के निदेशक बोर्ड द्वारा दिनांक 22-8-1991 को उप समिति की रिपोर्ट को कुछ संशोधनों के साथ स्वीकार कर लिया गया है।

(घ) और (ङ) यथावत स्वीकृत सिफारिशों को संहित कर दिया गया है और इन्हें कोल इंडिया लि० द्वारा अपनी सहायक कंपनियों में सख्ती से क्रियान्वित किए जाने के लिए परिचालित कर दिया गया है। इस संहिता में ओ. का खानों में कोयला तथा ऊपरी मलबा हटाने (ओ० बी० आर०) के मापन, कोलियरी उपभोग के लिए कोयला जारी किए जाने संबंधी मानदंड तथा कोयला के स्टाकों में कमी पाए जाने संबंधी मामलों की जांच तथा कार्रवाई किए जाने संबंधी अंगीकृत की जाने वाली पद्धतियां निर्धारित की गई हैं।

कोयला संबंधी कार्यशालाओं में मशीनों की मरम्मत

3570. **चौधरी हरमोहन सिंह :** क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कोयला मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत कार्यशालाएं समुचित ढंग से कार्य नहीं कर रही हैं ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;

(ग) गत तीन वर्षों में इन कार्यशालाओं के माध्यम से कितनी मशीनों की मरम्मत का कार्य किया गया ;

(घ) क्या यह सच है कि 100 से भी अधिक कार्यशालाएं मौजूद होने के

बावजूद मशीनों की मरम्मत का कार्य गैर-सरकारी एजेंसियों के माध्यम से कराया गया ; और

(ङ) यदि हां, तो गत दो वर्षों में उपर्युक्त मरम्मत कार्य पर कुल कितनी धनराशि खर्च की गई और गैर-सरकारी एजेंसियों के माध्यम से मरम्मत कार्य कराए जाने के क्या कारण हैं ?

कोयला मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) और (ख) कोयला मंत्रालय के अन्तर्गत कोई कार्यशालाएं नहीं चलाई जा रही हैं । कोल इंडिया लि० के अंतर्गत कार्यशालाएं सामान्य रूप से चल रही हैं ।

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान को० इ० लि० कार्यशालाओं तथा मूल उपकरण निर्माताओं (को० ई० एम०) द्वारा मरम्मत (पुनर्वास) किए गए उपकरण की कुल संख्या नीचे दर्शाई गई है :

1990–91	1991–92	1992–93
652	787	649

इसमें से को० ई० एम० ने उपकरण की कुल संख्या के प्रतिवर्ष लगभग 15% उपकरणों की मरम्मत की है ।

(घ) और (ङ) 128 कार्यशालाओं में से केवल 14 क्षेत्रीय तथा केन्द्रीय कार्यशालाएं हैं जिनमें मरसमत कार्य किए जाने की क्षमता हैं । कोयला कंपनियां अपेक्षित कार्यशाला/मूलभूत सुविधाओं तथा/अथवा तकनीकी विशेषज्ञता की अनुपलब्धता के कारण उपकरण की मरम्मत के लिए ओ० ई० एम० की सेवाएं प्राप्त करती हैं ।

पिछले दो वर्षों में ओ. ई. एम. द्वारा की गई मरम्मत (पुनर्वास) पर श्रमिक प्रभारों के रूप में व्यय की गई कुल राशि नीचे दर्शाई गई है :

(लाख रु० में)

1991–92	1992–93
60.31	49.90

इस उद्देश्य के लिए, फालतू कल-पुर्जों के संबंध में अन्य मद या तो को. इ. लि के भंडारों से आपूर्ति की गई अथवा उनकी निर्माताओं से खरीदी की गई ।

भूमिगत कोयला खनन संबंधी उपकरणों की अनुपलब्धता

3571. **चौधरी हरमोहन सिंह :** क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अपेक्षित मशीनों/उपकरणों की कमी होने के कारण भूमिगत मशीनों की उपलब्धता कम रही है ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ; और

(ग) 31 मार्च, 1993 को स्थिति के अनुसार खुली खदानों और भूमिगत खदानों में कितनी-कितनी मशीने कार्यरत थीं और उनका मूल्य कितना था ?

कोयला मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) जी नहीं ।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता ।